आउटकम बजट 2021–22
उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस.डी.जी. नं. 9.5

(Innovation Communication, Infrastructure and Industries)

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		1–4–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.3.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	डेटाबेस क्रिएशन एण्ड नॉलेज प्रोडक्ट जेनेरेशन	• उत्तराखण्ड जियोस्पाशियल सर्विसेज पोर्टल का अपडेशन। • विभागीय कार्यों की समेकित रिपोर्ट तैयार करना। • राज्य के रेखीय विभागों एवं उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न एप्लिकेशन में कार्य करना।	6.00		• उत्तराखण्ड के समस्त 13 जनपदों की आधारभूत सुविधाओं व परिसम्पत्तियों को संकलित कर 'उत्तराखण्ड जियोस्पाशियल एटलस' तैयार की गई।	• यूसैक द्वारा जिलाधिकारी के साथ समन्वय कर कोविड–19 के लिए जियोस्पाशियल एप्लीकेशन का सृजन किया गया। • रैणी–तपोवन क्षेत्र में चट्टान/हिमखण्डों के टूटने से हुई प्राकृतिक आपदा के अध्ययन हेतु आपदा से पूर्व एवं पश्चात के उच्च विभेदी उपग्रह आंकड़ों का क्रय कर घटना के कारणों का विश्लेषण किया गया जिसका विस्तृत प्रस्तुतीकरण निदेशक, यूसैक द्वारा उत्तराखण्ड शासन को दिया गया।	• नवीनतम सूचनाओं के साथ समय–समय पोर्टल पर अपडेट करना। • विभागीय कार्यों की समेकित रिपोर्ट तैयार करना। • राज्य के रेखीय विभागों के लिए विभिन्न एप्लीकेशंस में कार्य करना।	• नवीनतम सूचनाएं पोर्टल में अपडेट करना। • विभागीय कार्यों की समेकित रिपोर्ट तैयार करना। • राज्य के रेखीय विभागों एवं उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न एप्लीकेशंस में कार्य करना।	1 वर्ष
2	लैण्ड यूज एण्ड रूरल/अर्बन प्लानिंग	• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा से राज्य के रामनगर एवं काशीपुर नगरक्षेत्रों की लार्ज स्केल मैपिंग करना तथा उपलब्ध भू–रिकार्डों तथा मल्टी–टेम्पोरल, उपग्रह आंकड़ों की मदद से शहरी क्षेत्रों	0.50		• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा के उपयोग से कुम्भ मेला क्षेत्र हरिद्वार जनपद का 1:2000 स्केल पर विस्तृत मानचित्रीकरण। • समस्त आधारभूत संरचनाओं एवं	• हरिद्वार कुम्भ मेला क्षेत्र के सैक्टरों में जीपीएस आधारित नव निर्मित आधारभूत संरचनाओं का फील्ड सर्वेक्षण कर सूचनाओं का एकत्रीकरण। • सैटेलाइट डेटा इंटरप्रिटेशन तथा फील्ड आंकडों के एकीकरण से कुम्भ मेला क्षेत्र,	• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा से राज्य के प्रमुख शहरों यथा– रामनगर एवं काशीपुर नगरों की लार्ज स्केल मैपिंग कर लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्र तैयार किये जाएंगे तथा मल्टी–टेम्पोरल	• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा के उपयोग से रामनगर एवं काशीपुर नगरक्षेत्र का 1:2000 स्केल पर विस्तृत मानचित्रीकरण। • समस्त आधारभूत	1 वर्ष

		में हो रहे विस्तार का मानचित्रीकरण करना।			मौलिक सुविधाओं संबंधी सूचनाओं का जी.पी.एस. आधारित विस्तृत फील्ड सर्वेक्षण। • जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन।	हरिद्वार का जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन। • रिपोर्ट सृजन का कार्य प्रगति पर है।	सैटेलाइट डेटा के उपयोग से विगत वर्षों में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण किया जाएगा। • जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन। • वेब पेज तथा रिपोर्ट तैयार करना।	संरचनाओं एवं मौलिक सुविधाओं संबंधी सूचनाओं का जी.पी.एस. आधारित विस्तृत फील्ड सर्वेक्षण। • जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन। • वेब पेज तथा रिपोर्ट तैयार करना।	
3	**जल संसाधन प्रबन्धन**	• उत्तराखण्ड राज्य के भागीरथी बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का उपग्रहीय आकड़ों की सहायता से मैपिंग करना एवं अलकनंदा एवं भगीरथी बेसिन का फील्ड सर्वे का कार्य कर रिपोर्ट का सृजन करना। • नैनीताल जनपद की प्री एवं पोस्ट मानसून वाटर क्वालिटी जी. आई.एस. मैपिंग करना व फील्ड सर्वेक्षण कार्य करना।	1.00		• उत्तराखण्ड राज्य के अलकनंदा बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मोडिस उपग्रहीय आंकड़ों की सहायता से अध्ययन किया गया है । • नैनीताल जनपद के कुछ क्षेत्रों की प्री मानसून वाटर क्वालिटी डेटा की मैपिंग की जा रही है, इस हेतु राज्य कुछ क्षेत्रों में फील्ड सर्वे किया गया है।	• डेटाबेस क्रिएशन का कार्य पूर्ण किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड राज्य के अलकनंदा एवं भागीरथी बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का उपग्रहीय आंकड़ों की सहायता से मानचित्रीकरण। • उक्त क्षेत्रों में फील्ड सर्वे का कार्य कर रिपोर्ट सृजन। • नैनीताल जनपद की प्री एवं पोस्ट मानसून वाटर क्वालिटी जी.आई.एस. मैपिंग व फील्ड सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड राज्य के अलकनंदा एवं भागीरथी बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का उपग्रहीय आंकड़ों की सहायता से मानचित्रीकरण। • रिपोर्ट सृजन। • नैनीताल जनपद की प्री एवं पोस्ट मानसून वाटर क्वालिटी जी.आई. एस. मैपिंग व फील्ड सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा।	1 वर्ष
4	**वानिकी– पारिस्थिति कीय एवं जलवायु परिवर्तन (अ)**	• औषधीय एवं आर्थिकी रूप से महत्वपूर्ण वन उपज जैसे– थुनैर *(Taxus Baccata)*, देवदार *(Cedrus deodara)*, तेजपत्ता *(Cinnamomum tamala)*, विजयासार *(Pterocarpus*	1.00		• माह मार्च से जून एवं नवम्बर माह का डेटा नासा फर्म्स की वेबसाइट से मासिक वनाग्नि प्रभावित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण करने हेतु डाउनलोड किया गया।	• डेटाबेस क्रिएशन का कार्य पूर्ण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।	• औषधीय एवं आर्थिकी रूप से महत्वपूर्ण वन उपज जैसे– थुनैर, देवदार, तेजपत्ता ,विजयासार, भोटिया बादाम का ग्राउण्ड सर्वे, चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण।	• औषधीय एवं आर्थिकी रूप से महत्वपूर्ण वन उपज जैसे– थुनैर, देवदार, तेजपत्ता ,विजयासार, भोटिया बादाम का ग्राउण्ड सर्वे, चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण।	1 वर्ष

		marsupium), भोटिया बादाम *(Corylus colurna),* का ग्राउण्ड सर्वे, चिन्हिकरण एवं मानचित्रिकरण करना।			• जनपदवार वन प्रकार की सूची एवं जैव विविधता पर उपलब्ध डेटा को एकत्रित कर मानचित्रीकरण किया जा रहा है।				
	(ब)	• उत्तराखण्ड के बुग्यालों व वृक्ष रेखा के आस पास स्थित स्थलों में पर्यटन स्थिति व संभावनाओं, बुग्यालों के क्षरण (Degradation) का अध्ययन करना। • उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधताए पर्यटन स्थिति व संभावनाओं का अध्ययन करना।	2.00		• उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देव स्थलों का फील्ड सर्वेक्षण से एकत्रित किए गए आंकड़ों का विश्लेषण कार्य गतिमान है।	• डेटाबेस क्रिएशन का कार्य पूर्ण किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड के बुग्यालों व वृक्ष रेखा के आस पास स्थित स्थलों में पर्यटन स्थिति व संभावनाओं, बुग्यालों के क्षरण (Degradation) का अध्ययन किया जाएगा। • उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधताए पर्यटन स्थिति व संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड के बुग्यालों व वृक्ष रेखा के आस पास स्थित स्थलों में पर्यटन स्थिति व संभावनाओं, बुग्यालों के क्षरण (Degradation) का अध्ययन किया जाएगा। • उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधताए पर्यटन स्थिति व संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा।	
5	कृषि एवं वानिकी	• राज्य में सक्रिय कृषि/बागवानी फसल भूमि का भू–स्थानिक मूल्यांकन।	2.00		• टिहरी जिले के लिए टेम्पोरल सेंटिनल–2 डेटा से फसल और गैर–फसल कृषि भूमि की वास्तविक बुआई का पता लगाने कार्य किया जा रहा है। • टिहरी जिले के नरेन्द्रनगर, जौनपुर	• राज्य के नैनीताल जनपद में फील्ड सर्वेक्षण कार्य। • मौसम विभाग से तापमान व वर्षा के आंकड़ों का प्रापण।	• नवीनतम सैटेलाइट डेटा के उपयोग से राज्य में सक्रिय कृषि/बागवानी फसल भूमि का भू–स्थानिक आंकलन किया जाएगा।	• नवीनतम सैटेलाइट डेटा के उपयोग से राज्य में सक्रिय कृषि/बागवानी फसल भूमि का आंकलन किया जाएगा।	1 वर्ष

					तथा चम्बा ब्लॉक में सन्दर्भ डेटा के संग्रहण के लिये फील्ड सर्वेक्षण किया गया।				
6	**पंचायत स्तरीय परिसम्पतियों का मानचित्रीकरण**	• विकास खण्ड ऊखीमठ, जनपद–रूद्रप्रयाग में ग्राम पंचायतों में स्थित समस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का मानचित्रीकरण करना। • पंचायती राज संस्थानों (ग्राम ब्लॉक व जिला स्तरीय) को जी–गवर्नेस के प्रति जगरूप करते हुये उनका सशक्तीकरण।	4.00				• विकास खण्ड ऊखीमठ, जनपद रूद्रप्रयाग में ग्राम पंचायतों में स्थित समस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का मानचित्रीकरण किया जाएगा। • पंचायती राज संस्थानों का सशक्तीकरण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।	• विकास खण्ड ऊखीमठ, जनपद रूद्रप्रयाग में ग्राम पंचायतों में स्थित समस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का मानचित्रीकरण किया जाएगा। • पंचायती राज संस्थानों का सशक्तिकरण हेतु कार्यशाला का आयोजन।	
7	**स्पाशियल एण्ड आई. टी. पॉलिसी डिवीजन**	• आन्तरिक नेटवर्क सिक्योरिटी– • आन्तरिक नेटवर्क सिक्योरिटी हेतु यू.टी. एम./फायरवॉल का उच्चीकरण व लाइसेंसिंग/एवं लैब एस्टाब्लिश्मेंट • सेंट्रलाइज्ड डाटा सेंटरः– • केन्द्र के सेंट्रलाइज्ड डाटा सेंटर के सुचारू व अबाधित रूप से संचालन हेतु पैरेलल इन्टरनेट लीज्ड लाइन • डिजिटल	2.50 2.50				• आन्तरिक नेटवर्क सिक्योरिटी • सेंट्रलाइज्ड डाटा सेंटर • डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर	• आन्तरिक नेटवर्क सिक्योरिटी • सेंट्रलाइज्ड डाटा सेंटर • डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर	1 वर्ष

		इन्फ्रास्ट्रक्चरः– • केन्द्र में वायरलेस नेटवर्किंग की सुविधा को प्रदान करने हेतु वायरलेस एक्सेस प्वाइंट्स।	2.50						
8	डिजिटल कैपेसिटी एन्हेन्समेन्ट एण्ड एप्लीकेशन	• सैटेलाइट डेटा सीन आईडेन्टिफिकेशन ऐप– इस एप्लीकेशन के अन्तर्गत सैटेलाइट डेटा इमेजरी को क्षेत्र/तिथि/रेजोल्यूशन आदि के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। • फील्ड डेटा कलेक्शन ऐप– इसके अन्तर्गत ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन फील्ड डेटा कलेक्शन हेतु मोबाईल ऐप का सृजन किया जाएगा। • श्रीनगर गढ़वाल हेतु वेब जी.आई.एस. आधारित शहर/नगर सूचना तंत्र तैयार करना तथा यूसैक में संचालित विभिन्न परियोजनाओं हेतु वेब पेज तैयार करना।	0.50 0.50				• सैटेलाइट डेटा सीन आईडेन्टिफिकेशन ऐप तथा फील्ड डेटा कलेक्शन ऐप तैयार की जाएंगी। • श्रीनगर गढ़वाल के लिए जी.आई.एस. आधारित सिटी सूचना तंत्र तैयार किया जाएगा।	• सैटेलाइट डेटा सीन आईडेन्टिफिकेशन ऐप तथा फील्ड डेटा कलेक्शन ऐप तैयार की जाएंगी। • श्रीनगर गढ़वाल के लिए जी.आई.एस. आधारित सिटी सूचना तंत्र तैयार किया जाएगा।	
9	**पुस्तकालय**	• विषय विशिष्ट पुस्तकों एवं पुस्तकालय संसाधनों का क्रय।	0.50		• केन्द्र की लाईब्रेरी हेतु विषय–विशिष्ट पुस्तकों तथा पुस्तकालय संसाधनों	• विषय–विशिष्ट पुस्तकों एवं शोध जर्नल्सों का क्रय।	• ऑनलाइन एण्ड ऑफलाइन वैज्ञानिक, शोध जर्नल्स हेतु सब्सक्रिप्शंस।	• विषय–विशिष्ट पुस्तकों एवं शोध जर्नल्सों का क्रय किया जाएगा।	1 वर्ष

					का क्रय।		• विषय विशिष्ट पुस्तकों तथा पुस्तकालय संसाधनों का क्रय।		
10	आन्तरिक (इन–हाउस) अनुसंधान एवं क्षमता विकास	• वैज्ञानिकों/शोधार्थियों का विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रशिक्षणों (राष्ट्रीय/राजकीय स्तर) में प्रतिभाग द्वारा क्षमता विकास।	2.00				• वैज्ञानिकों/शोधार्थियों का विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग।	• वैज्ञानिकों/शोधार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रशिक्षणों में प्रतिभाग किया जाएगा।	1 वर्ष
11	राष्ट्रीय स्पेस मीट –उत्तराखण्ड	• केन्द्र द्वारा किए गए कार्यो को राज्य के विभिन्न रेखीय विभागों, राजकीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों तक पहुंचाना। • विभिन्न रेखीय विभागों की प्रतिक्रिया प्राप्त कर भविष्य की योजनाओं में सम्मिलित करना।	10.00		•	• यूसैक के नवनिर्मित भवन 'उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष भवन' का लोकार्पण एवं जियोइंफोमेर्टिक्स मीट–2020 का आयोजन किया गया।	• केन्द्र द्वारा किए गए कार्यों को राज्य के विभिन्न रेखीय विभागों, राजकीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों तक पहुंचाना। • विभिन्न रेखीय विभागों की प्रतिक्रिया प्राप्त कर भविष्य की योजनाओं में सम्मिलित करना।	• केन्द्र द्वारा किए गए कार्यो को राज्य के विभिन्न रेखीय विभागों, राजकीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों तक पहुंचाया जाएगा।	1 वर्ष
12	सेमिनार, वर्कशॉप एवं संगोष्ठी इत्यादि	• कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं व्याख्यानों का आयोजन। • सुदूर संवेदन एवं जीआईएस प्रणाली पर अधारित विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों	5.00 2.00		• विभिन्न कॉलेजों तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं हेतु दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन प्रशिक्षण।	• विभिन्न कॉलेजों तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं हेतु दीर्घकालीन एवं अल्पकालीन प्रशिक्षण।	• कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं व्याख्यानों का आयोजन। • सुदूर संवेदन एवं जीआईएस प्रणाली पर अधारित विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता/सहयोग प्रदान	• कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं व्याख्यानों का आयोजन। • सुदूर संवेदन एवं जीआईएस प्रणाली पर अधारित विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित	1 वर्ष

		में सहभागिता/ सहयोग प्रदान करना।					करना।	कार्यक्रमों में सहभागिता/ सहयोग प्रदान करना।	
13	**हार्डवेयर इत्यादि का प्रापण**	• सभागार माइक सिस्टम व हाई ऐण्ड डेस्कटॉप सिस्टम	3.50				• वर्कस्टेशन • कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर • हाई एण्ड कम्प्यूटिंग सिस्टम • फर्नीचर/फिक्चर्स	• वर्कस्टेशन • कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर • हाई एण्ड कम्प्यूटिंग सिस्टम • फर्नीचर/फिक्चर्स	1 वर्ष
14	**प्रशासन एवं निर्देशन**	• इस मद में आवर्तक व्ययों यथा– वेतन भत्ते, भवन किराया, ट्रांसपोर्ट, यात्रा भत्ता, ऑफिस अपकीप एवं मेंटीनेंस आदि व्ययों के वहन हेतु।	255.00				• केन्द्र के समस्त आवर्तक व्ययों व्ययों के वहन हेतु।	• केन्द्र के समस्त आवर्तक व्ययों व्ययों के वहन हेतु।	
15	**सामान्य गैर–वेतन भत्ते**	• इस मद में कार्यालय व्यय, चिकित्सा पूर्ति, उपयोगिता बिलों का भुगतान, विख्यापन, प्रकाशन, व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान व लेखन सामग्री एवं छपाई व्ययों के भुगतान हेतु।	27.00						
16	**उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र भवन एवं परिसर निर्माण**	• केन्द्र को जिला प्रशासन द्वारा डाण्डा–लखौण्ड क्षेत्र में 2 एकड़ भूमि आवंटित हुई है। कार्यदायी संस्था द्वारा भवन निर्माण का कार्य पूर्ण कर दिया	140.00				• निर्माण का कार्य पूर्ण। • अन्य आधारभूत सुविधाओं एवं संरचना व्ययों के वहन हेतु।	• निर्माण का कार्य पूर्ण। • अन्य आधारभूत सुविधाओं एवं संरचना व्ययों के वहन हेतु।	

		गया है। भवन निर्माण के पश्चात आवश्यक अन्य कार्य जैसे– फायर स्टेयर, पार्किंग शैड, रेन वाटर हारवैस्टिंग टैंक, फायर टैंक, फायर वर्क और हाईड्रैन्ट आदि अन्य विविध कार्य हेतु, जो कि मूल भवन निर्माण हेतु परियोजना धनराशि 494.45 के अतिरिक्त है।							
17	**कुल**		**470.00**						

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र.सं.	एस.डी. जी. Goals/ Indicator	1–4–2020 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.3.2021 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2021–22	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम 2021–22	समय सीमा
1	9.5	• उत्तराखण्ड के समस्त 13 जनपदों की आधारभूत सुविधाओं व परिसम्पत्तियों को संकलित कर 'उत्तराखण्ड जियोस्पाशियल एटलस' तैयार की गई।	• यूसैक द्वारा जिलाधिकारी के साथ समन्वय कर कोविड–19 के लिए जियोस्पाशियल एप्लीकेशन का सृजन किया गया। • रैणी–तपोवन क्षेत्र में चट्टान/हिमखण्डों के टूटने से हुई प्राकृतिक आपदा के अध्ययन हेतु आपदा से पूर्व एवं पश्चात के उच्च विभेदी उपग्रह आंकड़ों का क्रय कर घटना के कारणों का विश्लेषण किया गया जिसका विस्तृत प्रस्तुतीकरण उत्तराखण्ड शासन को दिया गया।	• नवीनतम सूचनाओं के साथ समय–समय पोर्टल पर अपडेट करना। • विभागीय कार्यों की समेकित रिपोर्ट तैयार करना। • राज्य के रेखीय विभागों के लिए विभिन्न एप्लीकेशंस में कार्य करना।	• नवीनतम सूचनाएं पोर्टल में अपडेट करना। • विभागीय कार्यों की समेकित रिपोर्ट तैयार करना। • राज्य के रेखीय विभागों एवं उपयोगकर्ताओं के लिए विभिन्न एप्लीकेशंस में कार्य करना।	1 वर्ष
2	9.5	• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा के उपयोग से कुम्भ मेला क्षेत्र हरिद्वार जनपद का 1:2000 स्केल पर विस्तृत मानचित्रीकरण। • समस्त आधारभूत संरचनाओं एवं मौलिक सुविधाओं संबंधी सूचनाओं का जी.पी.एस. आधारित विस्तृत फील्ड सर्वेक्षण। • जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन।	• हरिद्वार कुम्भ मेला क्षेत्र के सैक्टरों में जीपीएस आधारित नव निर्मित आधारभूत संरचनाओं का फील्ड सर्वेक्षण कर सूचनाओं का एकत्रीकरण। • सैटेलाइट डेटा इंटरप्रिटेशन तथा फील्ड आंकडों के एकीकरण से कुम्भ मेला क्षेत्र, हरिद्वार का जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन। • रिपोर्ट सृजन का कार्य प्रगति पर है।	• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा से राज्य के प्रमुख शहरों यथा– रामनगर एवं काशीपुर नगरों की लार्ज स्केल मैपिंग कर लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्र तैयार किये जाएंगे तथा मल्टी–टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा के उपयोग से विगत वर्षों में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण किया जाएगा। • जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन। • वेब पेज तथा रिपोर्ट तैयार करना।	• हाई रेजोल्यूशन सैटेलाइट डेटा के उपयोग से रामनगर एवं काशीपुर नगरक्षेत्र का 1:2000 स्केल पर विस्तृत मानचित्रीकरण। • समस्त आधारभूत संरचनाओं एवं मौलिक सुविधाओं संबंधी सूचनाओं का जी.पी. एस. आधारित विस्तृत फील्ड सर्वेक्षण। • जियोस्पाशियल डेटाबेस सृजन। • वेब पेज तथा रिपोर्ट तैयार करना।	1 वर्ष

3	9.5	• उत्तराखण्ड राज्य के अलकनंदा बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मोडिस उपग्रहीय आंकड़ों की सहायता से अध्ययन किया गया है । • नैनीताल जनपद के कुछ क्षेत्रों की प्री मानसून वाटर क्वालिटी डेटा की मैपिंग की जा रही है, इस हेतु राज्य कुछ क्षेत्रों में फील्ड सर्वे किया गया है।	• डेटाबेस क्रिएशन का कार्य पूर्ण किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड राज्य के अलकनंदा एवं भागीरथी बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का उपग्रहीय आंकड़ों की सहायता से मानचित्रीकरण। • उक्त क्षेत्रों में फील्ड सर्वे का कार्य कर रिपोर्ट सृजन। • नैनीताल जनपद की प्री एवं पोस्ट मानसून वाटर क्वालिटी जी.आई.एस. मैपिंग व फील्ड सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड राज्य के अलकनंदा एवं भागीरथी बेसिन के हिमाच्छादित क्षेत्रों का उपग्रहीय आंकड़ों की सहायता से मानचित्रीकरण। • रिपोर्ट सृजन। • नैनीताल जनपद की प्री एवं पोस्ट मानसून वाटर क्वालिटी जी.आई.एस. मैपिंग व फील्ड सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा।	1 वर्ष
4	9.5	• माह मार्च से जून एवं नवम्बर माह का डेटा नासा फर्म्स की वेबसाइट से मासिक वनाग्नि प्रभावित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण करने हेतु डाउनलोड किया गया। • जनपदवार वन प्रकार की सूची एवं जैव विविधता पर उपलब्ध डेटा को एकत्रित कर मानचित्रीकरण किया जा रहा है।	• डेटाबेस क्रिएशन का कार्य पूर्ण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।	• औषधीय एवं आर्थिकी रूप से महत्वपूर्ण वन उपज जैसे– थुनैर, देवदार, तेजपत्ता ,विजयासार, भोटिया बादाम का ग्राउण्ड सर्वे, चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण।	• औषधीय एवं आर्थिकी रूप से महत्वपूर्ण वन उपज जैसे– थुनैर, देवदार, तेजपत्ता ,विजयासार, भोटिया बादाम का ग्राउण्ड सर्वे, चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण।	1 वर्ष
	9.5	• उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देव स्थलों का फील्ड सर्वेक्षण से एकत्रित किए गए आंकड़ों का विश्लेषण कार्य गतिमान है।	• डेटाबेस क्रिएशन का कार्य पूर्ण किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड के बुग्यालों व वृक्ष रेखा के आस पास स्थित स्थलों में पर्यटन स्थिति व संभावनाओं, बुग्यालों के क्षरण (Degradation) का अध्ययन किया जाएगा। • उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधताए पर्यटन स्थिति व संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा।	• उत्तराखण्ड के बुग्यालों व वृक्ष रेखा के आस पास स्थित स्थलों में पर्यटन स्थिति व संभावनाओं, बुग्यालों के क्षरण (Degradation) का अध्ययन किया जाएगा। • उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधताए पर्यटन स्थिति व संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा।	

5	9.5	• टिहरी जिले के लिए टेम्पोरल सेंटिनल–2 डेटा से फसल और गैर–फसल कृषि भूमि की वास्तविक बुआई का पता लगाने कार्य किया जा रहा है। • टिहरी जिले के नरेन्द्रनगर, जौनपुर तथा चम्बा ब्लॉक में सन्दर्भ डेटा के संग्रहण के लिये फील्ड सर्वेक्षण किया गया।	• राज्य के नैनीताल जनपद में फील्ड सर्वेक्षण कार्य। • मौसम विभाग से तापमान व वर्षा के आंकड़ों का प्रापण।	• नवीनतम सैटेलाइट डेटा के उपयोग से राज्य में सक्रिय कृषि/बागवानी फसल भूमि का भू–स्थानिक आंकलन किया जाएगा।	• नवीनतम सैटेलाइट डेटा के उपयोग से राज्य में सक्रिय कृषि/बागवानी फसल भूमि का आंकलन किया जाएगा।	1 वर्ष
6	9.5			• विकास खण्ड ऊखीमठ, जनपद रूद्रप्रयाग में ग्राम पंचायतों में स्थित समस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का मानचित्रीकरण किया जाएगा। • पंचायती राज संस्थानों का सशक्तीकरण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।	• विकास खण्ड ऊखीमठ, जनपद रूद्रप्रयाग में ग्राम पंचायतों में स्थित समस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का मानचित्रीकरण किया जाएगा। • पंचायती राज संस्थानों का सशक्तिकरण हेतु कार्यशाला का आयोजन।	
7	9.5			• आन्तरिक नेटवर्क सिक्योरिटी • सेंट्रलाइज्ड डाटा सेंटर • डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर	• आन्तरिक नेटवर्क सिक्योरिटी • सेंट्रलाइज्ड डाटा सेंटर • डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर	1 वर्ष
8	9.5			• सैटेलाइट डेटा सीन आईडेन्टिफिकेशन ऐप तथा फील्ड डेटा कलेक्शन ऐप तैयार की जाएंगी। • श्रीनगर गढ़वाल के लिए जी. आई.एस. आधारित सिटी सूचना तंत्र तैयार किया जाएगा।	• सैटेलाइट डेटा सीन आईडेन्टिफिकेशन ऐप तथा फील्ड डेटा कलेक्शन ऐप तैयार की जाएंगी। • श्रीनगर गढ़वाल के लिए जी.आई.एस. आधारित सिटी सूचना तंत्र तैयार किया जाएगा।	

9	9.5	• केन्द्र की लाईब्रेरी हेतु विषय–विशिष्ट पुस्तकों तथा पुस्तकालय संसाधनों का क्रय।	• विषय–विशिष्ट पुस्तकों एवं शोध जर्नल्सों का क्रय।	• ऑनलाइन एण्ड ऑफलाइन वैज्ञानिक, शोध जर्नल्स हेतु सब्सक्रिप्शंस। • विषय विशिष्ट पुस्तकों तथा पुस्तकालय संसाधनों का क्रय।	• विषय–विशिष्ट पुस्तकों एवं शोध जर्नल्सों का क्रय किया जाएगा।	1 वर्ष
10	9.5			• वैज्ञानिकों / शोधार्थियों का विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभाग।	• वैज्ञानिकों / शोधार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं, सम्मेलनों, प्रशिक्षणों में प्रतिभाग किया जाएगा।	1 वर्ष
11	9.5		• यूसैक के नवनिर्मित भवन 'उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष भवन' का लोकार्पण एवं जियोइंफोमेर्टिक्स मीट–2020 का आयोजन किया गया।	• केन्द्र द्वारा किए गए कार्यों को राज्य के विभिन्न रेखीय विभागों, राजकीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों तक पहुंचाना। • विभिन्न रेखीय विभागों की प्रतिक्रिया प्राप्त कर भविष्य की योजनाओं में सम्मिलित करना।	• केन्द्र द्वारा किए गए कार्यो को राज्य के विभिन्न रेखीय विभागों, राजकीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों तक पहुंचाया जाएगा।	1 वर्ष